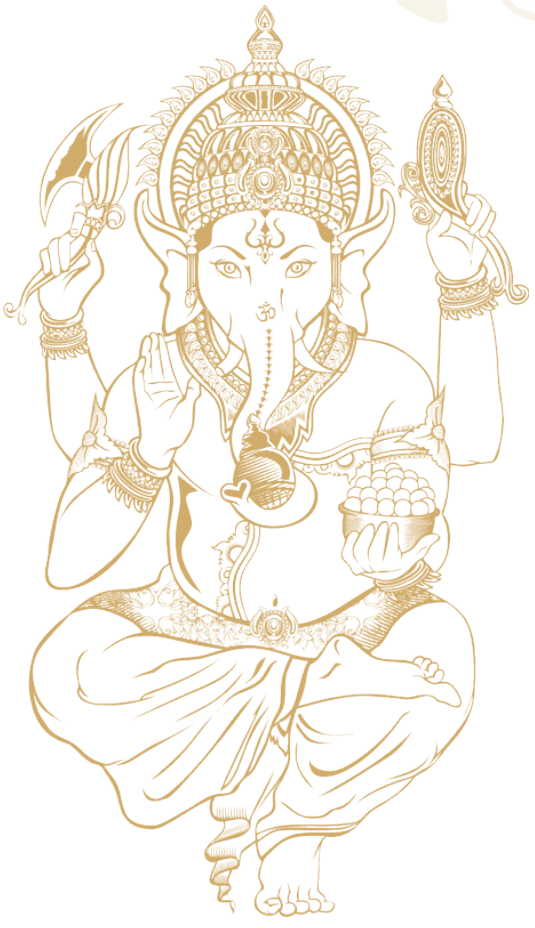

Mr.Mohit jain

Ms.Apoorva jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119446109

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/01/2000	जन्म तिथि	30/03/2000
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 22:43:40	जन्म समय(घटी)	05:28:53 घटी
India	देश	India
Barabanki	स्थान	Gwalior
26:56:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
81:11:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:05:16	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:31	सूर्योदय	06:10:50
17:40:06	सूर्यास्त	18:33:14
23:51:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 4वर्ष 11मा 28दि	19:06:32	मिथु	लग्न	मेष	23:09:45	सूर्य 0वर्ष 7मा 1दि
मंगल	09:52:48	मक	सूर्य	मीन	15:50:45	राहु
21/01/2021	23:20:16	सिंह	चंद्र	मक	08:41:32	31/10/2017
22/01/2028	21:52:02	कुंभ	मंगल	मेष	11:18:30	01/11/2035
मंगल 19/06/2021	15:31:27	मक	बुध	कुंभ	18:05:58	राहु 13/07/2020
राहु 08/07/2022	03:10:26	मेष	गुरु	मेष	14:53:40	गुरु 07/12/2022
गुरु 14/06/2023	05:40:00	धनु	शुक्र	कुंभ	26:40:53	शनि 13/10/2025
शनि 22/07/2024	16:34:29	मेष	शनि	मेष	21:25:46	बुध 01/05/2028
बुध 20/07/2025	09:49:56	कर्क व	राहु व	कर्क	07:24:14	केतु 20/05/2029
केतु 16/12/2025	09:49:56	मक व	केतु व	मक	07:24:14	शुक्र 19/05/2032
शुक्र 15/02/2027	22:12:01	मक	हर्ष	मक	25:43:26	सूर्य 13/04/2033
सूर्य 23/06/2027	10:11:30	मक	नेप	मक	12:17:51	चन्द्र 13/10/2034
चन्द्र 22/01/2028	18:19:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:59:10	मंगल 01/11/2035

लग्न-चलित

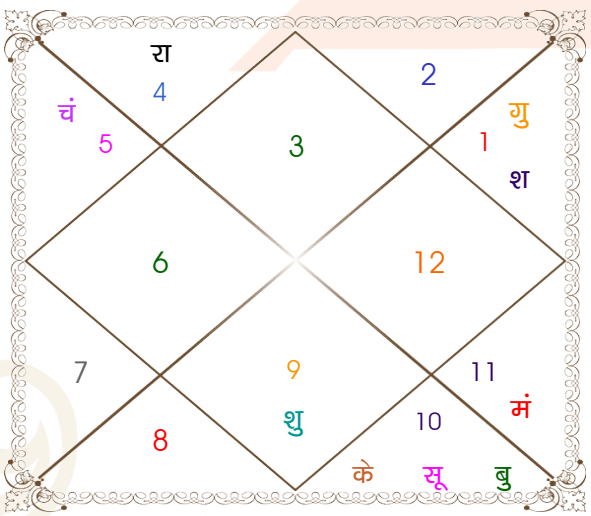

लग्न-चलित

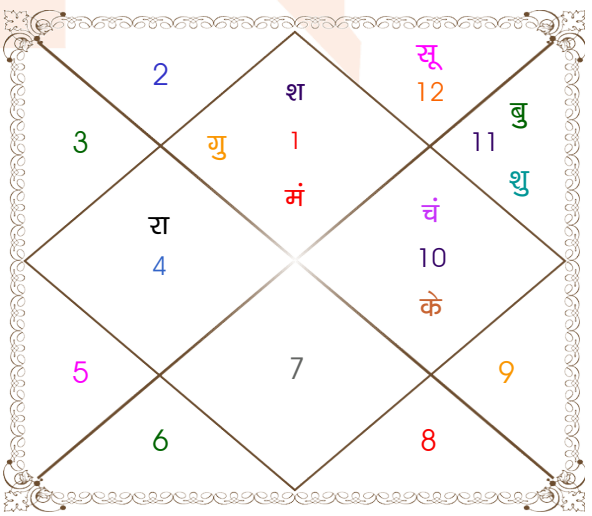

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	नकुल	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Mohit jain का वर्ग श्वान है तथा Ms.Apoorva jain का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Mohit jain और Ms.Apoorva jain का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Mohit jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.Apoorva jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Mohit jain कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Mohit jain तथा Ms.Apoorva jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।